झाँसी नगर की प्रथम नक्षत्र वाटिका की स्थापना

झांसी 22 नवम्बर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज झाँसी नगर की प्रथम नक्षत्र वाटिका की स्थापना पौधरोपण करके की गई। यह कार्यक्रम संस्थान के निदे"ाक डॉ. ए. अरूणाचलम की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. अरूणाचलम ने कहा कि पर्यावरण संतुलन, अध्यात्मिक समावे"ा के लिए तथा मानवता के कल्याण हेतु हमारे वेदों एवं शास्त्रों में नक्षत्र वृक्षों का विधिवत् उल्लेख किया गया है। इसी उद्दे"य से संस्थान में एक नक्षत्र वाटिका का पौधरोपण किया गया। प्रत्येक नक्षत्र की अपनी प्रतिनिधि वृक्ष प्रजाति होती है जैसे – अ"वनी–आंवला, भरणी–फाइकस, कृतिका–गुलर, रोहिणी–जामुन, मृगा"ारा–खैर, आद्रा–पाखड़, पुर्नवसु–बांस, पुष्य–पीपल, अ"लेषा–नागके"ार, माघ–बरगद, पूर्वा फाल्गुनी–पलास, उत्तरा फाल्गुनी–कनेर, हस्त–रीठा, चित्रा–बेल, स्वाति–अर्जुन, वि"ााखा–कैथा, अनुराधा–मौलसिरी, ज्येष्ठा–कैलमस, मूल–अंजन, पूर्वाषाढ़ा–अ"ाोक, उत्तराषाढ़ा–कटहल, श्रावण–मदार, धनिष्ठा–खेजड़ी/"ामी, शतभिषा–कदम, पूर्व भाद्रपद–आम, उत्तरा भाद्रपद–नीम, रेवती–महुआ। इस सन्दर्भ में उत्तर प्रदे"ा का राज्य वृक्ष अ"ाोक (साराका ईंडिका) जो पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का प्रतिनिधित्व करता है, का पौधरोपण भी इस नक्षत्र वाटिका में किया गया है।

नक्षत्र	**वृक्ष प्रजाति**
अ"वनी	आंवला
भरणी	फाइकस
कृतिका	गूलर
रोहिणी	जामुन
मृगा"ारा	खैर
आद्रा	पाखड़
पुर्नवसु	बांस
पुष्य	पीपल
अ"लेषा	नागकेशर
माघ	बरगद
पूर्वा फाल्गुनी	पलास
उत्तरा फाल्गुनी	कनेर
हस्त	रीठा
चित्रा	बेल
स्वाति	अर्जुन
वि"ााखा	कैथा
अनुराधा	मौलसिरी
ज्येष्ठा	कैलमस
मूल	अंजन
पूर्वाषाढ़ा	अ"ाोक
उत्तराषाढ़ा	कटहल
श्रावण	मदार
धनिष्ठा	खेजड़ी/"ामी
शतभिषा	कदम
पूर्व भाद्रपद	आम
उत्तरा भाद्रपद	नीम
रेवती	महुआ

संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आज सत्ताईस विि"ाष्ट वृक्षों का नक्षत्र वाटिका में पौधरोपण किया गया।

संस्थान के निदे"ाक डॉ. ए. अरूणाचलम के अनुसार नक्षत्र वाटिका की स्थापना से संस्थान से जुड़े व्यक्तियों के जीवन में समृद्धि और ऊर्जा का संचालन करने में मदद मिलेगी और मानवीय तरीके से कर्तव्यों का निर्वाह्न होगा। उन्होंने झाँसी की जनता एवं क्षेत्र के किसान भाईयों को संस्थान में नव स्थापित नक्षत्र वाटिका में आकर अवलोकन एवं लाभ प्राप्त करने के लिए आह्वान किया।

कार्यक्रम का समन्यवन डॉ. सुरे"ा रमणन एस. ने किया।